

महाराष्ट्र बजट : संतुलित विकास की कोशिश : खेतान

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के बजट 2026 को लेकर आर्थिक विश्लेषक अक्षत खेतान का मानना है कि यह बजट सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। उनके अनुसार सरकार ने इस बार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। खेतान के मुताबिक, राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए इन क्षेत्रों में निवेश बेहद महत्वपूर्ण है। किसानों के लिए घोषित दो लाख रुपये तक की ऋण माफी को अक्षत खेतान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राहत देने वाला कदम मानते हैं। वे कहते हैं, "जब किसानों पर कर्ज का दबाव कम होता है, तो उसका असर केवल खेती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ने लगती है।" उनके अनुसार इससे कृषि क्षेत्र में भरोसा और आर्थिक गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। महिलाओं के लिए जारी माझी लाडकी बहिन योजना को लेकर भी खेतान सकारात्मक रुख रखते हैं। उनके शब्दों में, "महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएँ केवल सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं करतीं, बल्कि परिवारों की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।" उनका मानना है कि इस तरह की योजनाएँ खासकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन सकती हैं।